

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

समक्ष : अशोक शिवहरे
सदस्य

निगरानी प्र० क्र० 3476-दो/2012 विरुद्ध आदेश दिनांक 25-08-12
पारित आयुक्त, सागर संभाग, सागर प्रकरण क्रमांक 05/अ-5/2007-08
निगरानी.

- 1- दयाशंकर पुत्र राजकुमार ब्राम्हण
- 2- विनयशंकर पुत्र राजकुमार ब्राम्हण
दोनों निवासी ग्राम हथौहा, तह० लोड़ी,
जिला छतरपुर, म०प्र०
- 3- भाऊराम तनय जगन्नाथ ब्राम्हण
नि० त्रिवेणी जिला बांदा, उ०प्र०

--- आवेदकगण

विरुद्ध

- 1- केदार प्रसाद तनय हरप्रसाद निगम
- 2- हीरालाल तनय बाबूलाल बाजपेयी
दोनों निवासी ग्राम हथौहा, तह० लोड़ी,
जिला छतरपुर, म०प्र०

--- अनावेदकगण

श्री अनिल कुमार पाठक, अभिभाषक - आवेदकगण
श्री के०एस०निगम, अभिभाषक- अनावेदकगण

आदेश

(आज दिनांक 29.5. 2014 को पारित)

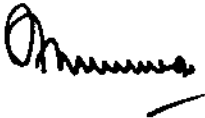
यह निगरानी का आवेदनपत्र मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता, 1959
(जिसे आगे केवल संहिता कहा जायेगा) की धारा 50 के अन्तर्गत आयुक्त,



सागर संभाग, सागर के प्रकरण क्रमांक 05/अ-5/2007-08 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 25-08-12 से असान्तुष्ट होकर प्रस्तुत किया गया है।

2/ प्रकरण के तथ्य इस प्रकार हैं कि आवेदकगण दयाशंकर एवं विनयशंकर ने इस आशय का आवेदनपत्र तहसील न्यायालय में प्रस्तुत किया कि गौजा खरावा स्थित भूमि ख0नं0 224/6/3 रकबा 4.857 हे. के 1/3 हिस्सा उनके नाम दर्ज है। इस भूमि की नक्शे में तरमीम नहीं है। अतः उन्होंने नक्शा तरमीम करने का अनुरोध किया। नायब तहसीलदार ने प्रकरण पंजीबद्ध कर राजस्व निरीक्षक से तरमीम प्रतिवेदन प्राप्त होने पर अपने आदेश दिनांक 10-03-04 द्वारा तरमीम की स्वीकृति प्रदान की। इस आदेश के विरुद्ध प्रस्तुत अपील अनुविभागीय अधिकारी ने अपने आदेश दिनांक 19-4-05 द्वारा खारिज की। अपर कलेक्टर के समक्ष निगरानी प्रस्तुत करने पर अपर कलेक्टर ने अपने आदेश दिनांक 29-6-07 द्वारा निगरानी स्वीकार कर प्रकरण इस निर्देश के साथ प्रत्यावर्तित किया कि सभी हितबद्ध पक्षकारों की उपस्थिति में तरमीम की कार्यवाही करायी जाय। अपर कलेक्टर के आदेश के विरुद्ध प्रस्तुत निगरानी आयुक्त, सागर संभाग ने अपने आदेश दिनांक 25-08-12 द्वारा खारिज की। अतः आवेदकगण द्वारा यह निगरानी राजस्व मण्डल में प्रस्तुत की गयी है।

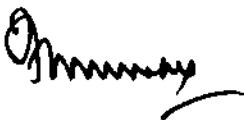
3/ मैंने उभय पक्ष के विद्वान अभिभाषकों द्वारा प्रस्तुत तर्कों पर गम्भीरतापूर्वक विचार किया तथा अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेखों का अवलोकन किया। आवेदकगण के अभिभाषक का तर्क है कि राजस्व निरीक्षक द्वारा विधिवत कार्यवाही कर तरमीम प्रस्ताव तहसील में प्रस्तुत किया गया। तहसील न्यायालय में कोई आपत्ति प्रस्तुत नहीं होने से प्रस्तावित तरमीम प्रतिवेदन को स्वीकार किया है। उनका तर्क है कि अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष अनावेदकगण द्वारा अपील प्रस्तुत की गयी थी। अनुविभागीय अधिकारी द्वारा अपील में पारित आदेश के विरुद्ध संहिता में द्वितीय अपील का



प्रावधान है, इसलिये अपर कलेक्टर के समक्ष निगरानी प्रचलन योग्य नहीं थी। अपर कलेक्टर द्वारा आदेश पारित करते समय इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया और निगरानी स्वीकार की गयी है। विद्वान आयुक्त द्वारा भी इस विधि संबंधी तर्क को नहीं मानने में भूल की है। अतः उन्होंने निगरानी स्वीकार करने का अनुरोध किया।

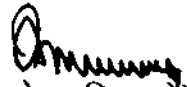
4/ अनावेदकगण के अभिभाषक का तर्क है कि आवेदकगण प्रश्नाधीन भूमि के 1/3 हिस्से के भूमिस्वामी है, किन्तु राजस्व निरीक्षक द्वारा नक्शा तस्मीग प्रस्ताव प्रस्तुत करने के पूर्व अनावेदकगण को कोई सूचना दी गयी और उनके पीठ-पीछे नक्शा तस्मीग की कार्यवाही की गयी है जिसे अपर कलेक्टर द्वारा निरस्त करने में कोई गलती नहीं की है। उनका यह भी तर्क है कि अपर कलेक्टर के समक्ष निगरानी प्रचलन योग्य नहीं होने संबंधी आपत्ति आवेदकगण द्वारा प्रस्तुत नहीं की गयी, इसलिये इसे अमान्य करने में आयुक्त द्वारा कोई गलती नहीं की है। अतः उन्होंने निगरानी खारिज करने का अनुरोध किया।

5/ अपर कलेक्टर ने अपने आदेश में यह निष्कर्ष निकाला है कि निगरानीकर्त्ता/अनावेदकगण को प्रकरण में किस भी प्रकम में सूचित नहीं किया गया। पंचनाम पर भी निगरानीकर्त्ता/अनावेदकगण के हस्ताक्षर नहीं हैं और ना ही स्थल जाँच दिनांक 12-04-03 को मौके पर उपस्थित होने हेतु उसे कोई सूचनापत्र ही जारी किया गया है। मैंने नायब तहसीलदार के प्रकरण के अभिलेख का अवलोकन किया। हल्का पटवारी द्वारा दिनांक 12-4-03 को मौके पर उपस्थित होने हेतु सूचनापत्र जारी करने का कोई प्रमाण तहसील न्यायालय के अभिलेख में नहीं है। तहसील न्यायालय के अभिलेख पृष्ठ 19(25) पर हल्का पटवारी द्वारा खसरा नं0 224 के समस्त बंटान, रकबा व उनके भूमिस्वामियों के नाम अंकित किये हैं, किन्तु उन्हें सूचनापत्र जारी नहीं किया गया। राजस्व निरीक्षक ने भी अपने प्रतिवेदन में



यह अंकित किया है कि आ.नं. 224/1, 224/2, 224/3, 224/5, 224/4/4/2/2, 224/4 एवं 224/6/4/1 की तरमीम नक्शे में नहीं बनाई गई है क्योंकि रकबा शेष नहीं बचता है। कुल 1.909 हे. रकबा नक्शे में कम है। ऐसी दशा में तहसील न्यायालय को नक्शा तरमीम प्रस्ताव स्वीकृत करने के पूर्व समस्त हितग्राही व्यक्तियों को सूचनापत्र जारी कर सुनवायी का अवसर प्रदान करना चाहिये था। हितग्राही व्यक्तियों को बिना सूचना दिये नक्शा तरमीम प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत किये जाने व उसे स्वीकार किये जाने से अपर कलेक्टर द्वारा उसे निगरानी में निरस्त करने में कोई त्रुटि नहीं की गयी है। अनुविभागीय अधिकारी ने अपील का गुण-दोष पर निराकरण नहीं किया गया है तथा अपर कलेक्टर के समक्ष निगरानी ग्राह्य योग्य नहीं होने संबंधी आपत्ति प्रस्तुत नहीं की गयी, इसलिये आयुक्त, सागर संभाग के आदेश में हस्तक्षेप का पर्याप्त आधार नहीं है।

6/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी खारिज की जाती है। आयुक्त का आदेश दिनांक 25-08-12 व अपर कलेक्टर का आदेश दिनांक 29-06-07 यथावत रखे जाते हैं।


(अशोक शिवहरे)
सदस्य,

राजस्व मण्डल, म0प्र0